INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Class Work
Worksheet No: 1	Topic: अर्थ ग्रहण	Note: Pl File in portfolio

प्रश्न-दिए गए गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए|

3 दिसंबर 1984 को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक फैक्टरी से मिथाइल आइसो साइनेट नाम की एक बेहद ज़हरीली एवं जानलेवा गैस अचानक रिसकर हवा में मिल गई। इस ज़हरीली गैस की मात्रा इतनी अधिक थी कि लोगों को उसी समय साँस लेने में परेशानी होने लगी| रात का समय था, लोग गहरी नींद में थे और गैस का रिसाव इतना तेजी से फैला कि फैक्टरी के आस-पास रहने वाले लोग चाहकर भी भाग न सके| हजारों लोगों की मौत हो गई| कई दस्तावेजों में दावा किया जाता है कि मरने वालों की संख्या 16 हजार से अधिक थी। मध्य प्रदेश सरकार के आँकड़ों के अनुसार भोपाल गैस त्रासदी में 3,787 लोग काल के गाल में समा गए थे। खतरनाक गैस के रिसाव का असर आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों पर भी पड़ा और इसकी वजह से लाखों लोग स्वास संबधी बीमारियों के शिकार हो गए थे| इस दुर्घटना के कारण करीब 40 हजार लोगों को अस्थायी स्वास्थ्य संबंधी नुकसान हुआ और लगभग 4 हजार लोग स्थायी रूप से दिव्यांग हो गए थे। कहा जाता है कि इस त्रासदी की वजह से आज भी वहाँ के स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर देखने को मिलता है। 2-3 दिसंबर की उस ठंडी रात में काल ने ऐसा कोहराम मचाया कि हजारों लोग अगली सुबह नहीं देख पाए| इस दुर्घटना को भोपाल गैस कांड या भोपाल गैस त्रासदी के नाम से जाना जाता है|

प्रश्न-1 1984 भोपाल की फैक्टरी में कौन-सी दुर्घटना घटी थी?

.....

.....

.....

प्रश्न-2 लोग चाहकर भी क्यों न भाग सके?

.....

.....

.....

.....

प्रश्न-3 मध्य प्रदेश सरकार के आँकड़ों के अनुसार कितने लोगों की मौत हुई?

.....

.....

.....

प्रश्न-4 लाखों लोग किस तरह की बीमारियों का शिकार बन गए?

.....

.....

.....

प्रश्न-5 गैस रिसाव के कारण कितने हज़ार लोग स्थायी रूप से दिव्यांग हो गए थे?

.....

.....

.....

प्रश्न-6 उक्त दुर्घटना को किस नाम से जाना जाता है?

.....

.....

.....

.....

---xxx---